University in News on 05 March 2022

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 23 से

लखनऊ। लखनऊ विवि की स्नातक व परास्नातक कोर्सों की पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 23 मार्च से प्रस्तावित की जा रही हैं। विद्यार्थियों के डेटा मिलने के साथ ही विवि प्रशासन परीक्षा केंद्रों की सूची भी जारी कर देगा। इस साल पहली बार विवि से संबद्ध हुए रायबरेली, सीतापुर, हरदोई व लखीमपुर में भी पहले सेमेस्टर की परीक्षाओं का आयोजन होगा। वहीं, विवि के सामान्य पाठ्यक्रमों की ही तरह एलएलबी तीन वर्षीय व पांच वर्षीय पाठ्यक्रम के पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं भी होली के बाद ही शुरू की जाएंगी। डीन लॉ प्रो. सीपी सिंह की ओर से विद्यार्थियों को सूचित किया गया है। एक सप्ताह में इसकी स्कीम भी जारी कर दी जाएगी।

चयनितों की सूची जारी : विवि प्रशासन ने शुक्रवार को पार्ट टाइम पीएचडी के लिए पत्रकारिता व जनसंपर्क विभाग में चयनित विद्यार्थी की सूची जारी की है। आठ मार्च तक ऑनलाइन फीस जमा कर सकते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

किसानों को सौर ऊर्जा के लिए प्रशिक्षित करेगा लखनऊ विवि, जेपी विवि गुना के साथ एमओयू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन किसानों को सौर ऊर्जा से जुड़ा प्रशिक्षण देगा और इसकी तकनीकी भी साझा करेगा। ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। इसके लिए विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी ने जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी गुना मध्य प्रदेश के साथ शुक्रवार को एमओयू पर हस्ताक्षर किया। एमओयू पर लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व जेपी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. जेएसपी राय ने हस्ताक्षर किया। कुलपति प्रो. राय ने बताया कि प्रथम चरण में लखनऊ के गांवों को चिह्नित किया जा रहा है। इन्हें बुद्ध गांव कहा जाएगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

कर्मयोगी के पहले चरण के चयनितों को मिले चेक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को स्किल्ड व आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई 'कर्मयोगी योजना' के तहत 50 घंटे का काम करने वाले छात्रों के पहले बैच को शुक्रवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा 30 विद्यार्थियों को 15-15 हजार रुपये का चेक व प्रमाण पत्र दिए गए। अपनी पहली कमाई पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खिले और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा। विवि प्रशासन द्वारा यह योजना एनईपी-2020 के तहत शुरू की गई है। (माई सिटी रिपोर्टर)

i-NEXT PAGE 4

अक्षय ऊर्जा को मिलेगा प्रोत्साहन

जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के साथ समझौता

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (4 Mar): लखनऊ यूनिवर्सिटी जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर अक्षय ऊर्जा के प्रति लोगों को जागरूक करेगा. इस संबंध में लखनऊ यूनिवर्सिटी ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश के गुना में स्थित जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया.

उपकरणों का विकास

वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इसके अंतर्गत अक्षय ऊर्जा से चलने वाली उपकरणों का विकास करना, कौशल विकास कार्यक्रमों का संचालन, शोध, एवं अन्य समयोचित कार्य आदि किए जाएंगे. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में लखनऊ यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी के द्वारा प्रथम चरण में लखनऊ जिले के बुद्ध गांव को चिन्हित करने की प्रक्रिया इस माह के आखिर तक पूरी कर ली जाएगी. अक्षय ऊर्जा आने वाले समय की आवश्यकता है. इस अवसर पर जेपी यूनिवर्सिटी के डॉ. धनंजय राधेश्याम मिश्र, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. पूनम टंडन, डीन एकेडमिक प्रो. राकेश चंद्र, इंस्टीट्यूट ऑफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी की निदेशिका डॉ. ज्योत्सना सिंह आदि मौजूद रहे.

लखनऊ यूनिवर्सिटी जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर अक्षय ऊर्जा के प्रति लोगों को जागरूक करेगी.

स्टूडेंट्स को मिले सर्टिफिकेट

LUCKNOW (4 Mar): लखनऊ यूनिवर्सिटी में कर्मयोगी योजना के तहत काम करके आय अर्जित करने वाले स्टूडेंट्स को एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने शुक्रवार को सर्टिफिकेट व चेक वितरित किए. कर्मयोगी योजना के तहत एलयू स्टूडेंट्स को काम सीखने और काम करके 15-15 हजार रुपए कमाने का मौका देता है. डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि कर्मयोगी योजना स्टूडेंट्स को अपने कौशल को विकसित करने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर देती है. वही वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने योजना के पहले बैच के सभी 30 स्टूडेंट्स को को बधाई दी. इस अवसर पर कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, चीफ प्राक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव सहित अन्य एडिशनल डीन उपस्थित रहे.

डिग्री कॉलेज के स्टूडेंट्स पहुंचे टैगोर लाइब्रेरी

PICS: DAINIK JAGRAN-I NEXT

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (4 Mar): लखनऊ यूनिवर्सिटी के टैगोर पुस्तकालय का शुक्रवार को कानपुर और लखनऊ के डिग्री कॉलेज स्टूडेंट्स ने भ्रमण किया. उन्होंने यहां की आर्ट गैलरी की भी सराहना की. वहीं छात्रों की मांग पर अवैतनिक पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. डीके सिंह 7 मार्च से पुस्तकालय का समय सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक कर दिया है. कानुपर के दयानन्द महिला प्रशिक्षण महाविद्यालय और श्री जयनारायण मिश्रा पीजी कालेज के बीएड-एमएड के लगभग 60 छात्र छात्राओं ने एलयू के टैगोर पुस्तकालय का शैक्षणिक भ्रमण किया. उनके साथ कॉलेज के शिक्षकों भी थे.

PIONEER PAGE 3

अक्षय ऊर्जा के प्रति लोगों को जागरूक करेगा एलयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय आने वाले दिनों में जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर अक्षय ऊर्जा के प्रति लोगों को जागरूक करेगा। साथ ही इसके उपयोग से होने वाले लाभ के बारे में भी बताएगा। इस सम्बन्ध में लखनऊ विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश के गुना में स्थित जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय एवं जेपी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर जेएसपी राय ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इस समझौता ज्ञापन के महत्वपूर्ण उद्देश्यों में समाज के सभी वर्गों में अक्षय ऊर्जा के प्रति जागरूकता पैदा करना, उसके उपयोग से होने वाले लाभ की जानकारी देना, अक्षय ऊर्जा से चलने वाली उपकरणों का विकास करना, कौशल विकास कार्यक्रमों का संचालन, शोध, एवं अन्य समयोचित कार्य शामिल है।

किसानों को सौर ऊर्जा के संचालन व रखरखाव का देगा प्रशिक्षण: कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के नेतृत्व में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी के द्वारा प्रथम चरण में लखनऊ जिले के बुद्ध गांव को चिन्हित करने की प्रक्रिया इस माह के आखिर तक पूरी कर ली जाएगी। अगले चरण में गांव के प्रगतिशील किसानों को सौर ऊर्जा से संचालित वाटर पंप और स्ट्रीट लाइट के संचालन एवं संरक्षण, सौर ऊर्जा द्वारा जल शोधन एवं अक्षय ऊर्जा से संबंधित अन्य उपकरण के संचालन एवं उनके रखरखाव का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

डिग्री कॉलेज के छात्रों ने किया टैगोर पुस्तकालय का भ्रमण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर स्थित टैगोर पुस्तकालय का शुक्रवार को कानपुर और लखनऊ के डिग्री कॉलेज विद्यार्थियों ने भ्रमण किया। उन्होंने पुस्तकालय की सेवाओं और साइबर पुस्तकालय का बारीकी से अध्ययन किया। साथ ही यहां की आर्ट गैलरी की भी सराहना की। छात्र-छात्राओं की मांग एवं परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए अवैतनिक पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो डीके सिंह 7 मार्च से पुस्तकालय का समय सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक कर दिया है। कानपुर के दयानन्द महिला प्रशिक्षण महाविद्यालय और श्री जयनारायण मिश्रा पीजी कालेज के बीएड, एमएड के लगभग 60 छात्र छात्राओं ने लविवि के टैगोर पुस्तकालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। उनके साथ कॉलेज के शिक्षकों भी थे। उन्होंने टैगोर पुस्तकालय के उप-पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ प्रवीश प्रकाश ने पुस्तकालय के विभिन्न विभागों एवं सेवाओं की जानकारी छात्रों को दी। भ्रमण में आये हुए छात्र.छात्राएं टैगोर पुस्तकालय की आधुनिक सेवाओं को देखकर अत्यन्त उत्साहित थे एवं साइबर पुस्तकालय द्वारा दी जाने वाली सेवाओं को देखकर आश्चर्य चकित थे। वे आर्ट गैलरी में उपस्थित पेंन्टिग्स, कलाकृतियों एवं हस्तलिखित ग्रन्थों का अवलोकन करते समय अत्यन्त उत्साहित थे।

HINDUSTAN PAGE 6

30 छात्रों को मिले 15-15 हजार रुपए

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की कर्मयोगी कर्मयोगी योजना के तहत छात्रों के पहले बैच को 15-15 हजार रुपए दिए गए। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने धनराशि और प्रमाण पत्र दिए। छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने वाली 'सीखने के दौरान आय अर्जन' की पहल के तहत 30 छात्र लाभान्वित हुए।

अधिष्ठाता, छात्र कल्याण प्रो. पूनम टण्डन ने बताया कि कर्मयोगी योजना छात्रों को अपने कौशल को विकसित करने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर देती है।मुख्य कुलनुशासक प्रो राकेश द्विवेदी , कुलसचिव डा विनोद सिंह , विद्यानंद त्रिपाठी रहे।

एलयू किसानों को देगा सौर उर्जा का प्रशिक्षण

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, गुना, मध्य प्रदेश के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय की ओर से एवं जेपी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो जेएसपी राय ने अपने विश्वविद्यालय की ओर से हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन के महत्वपूर्ण उद्देश्यों में समाज के सभी वर्गों में सौर ऊर्जा के प्रति जागरूकता, उसके उपयोग से होने वाले लाभ की जानकारी देना, सौर ऊर्जा से चलने वाली उपकरणों का विकास करना, कौशल विकास कार्यक्रमों का संचालन, शोध, एवं अन्य कार्य शामिल है।

कालेजों के विद्यार्थियों ने देखी टैगोर लाइब्रेरी

लखनऊ : श्री जयनारायण मिश्रा पीजी कालेज लखनऊ और दयानंद महिला प्रशिक्षण महाविद्यालय कानपुर के बीएड व एमएड के लगभग 60 विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के साथ शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय की टैगोर लाइब्रेरी का भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने लाइब्रेरी की आधुनिक सेवाएं देखी। आर्ट गैलरी में उन्होंने पेंटिंग्स, कलाकृतियों एवं हस्तलिखित ग्रंथों का भी अवलोकन किया। पुस्तकालय अध्यक्ष प्रो . डीके सिंह ने बताया कि सात मार्च से लाइब्रेरी का समय सुबह 9 से शाम 6 बजे तक कर दिया गया है। (जस)

तीन नए प्रोवोस्ट बने

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित होनी जहांगीर भाभा छात्रावास के लिए तीन नए प्रोवोस्ट बनाए गए है। इनमें विधि संकाय के प्रो. हरीश चंद्र नाम को प्रोवोस्ट, डा. रवि ध्यान प्रसाद और डा. आलोक कुमार यादव को असिस्टेंट प्रोवोस्ट बनाया गया है। शुक्रवार को कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने इस संबंध में पत्र जारी कर दिया।। (जस)

लवि : विद्यार्थियों को मिला प्रमाणपत्र और चेक

लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) में कर्मयोगी योजना के तहत काम करके आय अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शुक्रवार को प्रमाण पत्र व चेक वितरित किए। कार्यक्रम का आयोजन प्रशासनिक भवन के मंथन हाल में हुआ था। सीखने के दौरान काम करके वित्तीय सहायता के रूप ने 15-15 हजार रुपये मिलने से सभी छात्र-छात्राएं खुश नजर आए। लवि ने हाल ही में पहली बार कर्मयोगी योजना की शुरुआत की थी। इसके तहत चयनित छात्र-छात्राओं को 50 दिन (रोजाना दो घंटे) चुने गए विभाग में काम करना होता है। इसके लिए उन्हें अधिकतम 15 हजार रुपये दिए जाते हैं। अधिष्ठाता, छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि 'कर्मयोगी योजना' विद्यार्थियों को अपने कौशल को विकसित करने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर देती है। इससे उन्हें कार्यस्थल का अनुभव भी मिलता है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने योजना के पहले बैच के सफल क्रियान्वयन पर सभी 30 विद्यार्थियों को बधाई दी। इस अवसर पर कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, चीफ प्राक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव सहित अन्य एडिशनल डीन उपस्थित रहे।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि और जेपी यूनिवर्सिटी के बीच हुआ एमओयू

लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी और जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के बीच समझौता हुआ। लवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय और जेपी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो.जेएसपी राय ने हस्ताक्षर किए ● सौ. लवि

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय का इंस्टीट्यूट आफ रीन्यूएबल एनर्जी किसानों को सौर ऊर्जा से संबंधित उपकरणों के संचालन एवं उनके रखरखाव का प्रशिक्षण देगा। साथ ही, उन्हें जागरूक करेगा। इसके लिए शुक्रवार को जेपी यूनिवर्सिटी आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी, गुना, मध्य प्रदेश के साथ एक समझौता किया गया। लवि के कुलपति प्रो. आलोक राय और जेपी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. जेएस पी राय ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

समझौता ज्ञापन का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों में अक्षय ऊर्जा के प्रति जागरूकता पैदा करना है। किसानों के प्रशिक्षण के लिए प्रथम चरण में लखनऊ जिले के बुद्ध गांव को चिन्हित करने की प्रक्रिया इस माह के अंत तक पूरी हो जाएगी। इस अवसर पर जेपी यूनिवर्सिटी के डा. धनंजय राधेश्याम मिश्र, डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन, डीन एकेमिक प्रो. राकेश चंद्रा, इंस्टीट्यूट आफ न्यू एंड रीन्यूएबल एनर्जी की निदेशक डा. ज्योत्सना सिंह, कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह उपस्थित रहे।

THE PIONEER PAGE 2

Students made aware of govt schemes for entrepreneurship dev

PNS ■ LUCKNOW

The inaugural session of a week-long national faculty development programme (FDP) on 'Research Methodology in Entrepreneurship Development' was organised on Friday at Prof SB Singh Auditorium by the department of Commerce, Centre of Excellence, University of Lucknow, under the patronage and chairmanship of Vice-Chancellor AK Rai.

Head of the department and convenor Audhesh Kumar introduced the theme of the programme and talked about various government schemes for entrepreneurship development like 'Atmanirbhar Bharat,' Make in India,' ODOP' etc.

He highlighted that the FDP would feature various sessions wherein eminent academicians would share their views on different topics.

The chief guest was State Information Commissioner and Vice-Chairman of Giri Institute of Developmental Studies Rajeev Kapoor who spoke about what the qualities defining an entrepreneur and how an entrepreneur needs to be an innovator, one who can bring about a change in the society. He drew a parallel between research and entrepreneurship and how both address the problem. Rai appreciated the course content of the FDP in which both aspects of research and entrepreneurship development are covered. He urged the scholars to imbibe knowledge about research skills and improve quality of publication. He gave his inputs on the role of research in entrepreneurship development.

Meanwhile, certificates were given away to students under the Karmayogi scheme at Lucknow University. The first batch of students under the scheme was endorsed and acknowledged by the vice-chancellor. As many as 30 students received certificates of appreciation and Rs 15,000 each for the service rendered in the 'to earn while learn' initiative that provides financial support to the students. The scheme is a drive by Rai to implement clause 14.4.2 of NEP 2020 in the university. DSW Poonam Tandon framed the scheme with an intention to foster equity and inclusion in the university.

Tandon said that 'Karmayogi' scheme gives opportunities to students to develop their skills and make themselves self-reliant. The university encourages the students to take up part-time jobs in the campus to support their expenditure partially.

Rai advised the students to enjoy the taste of self-earned money which, he said, would give them wings and help them make their dreams come true.

This is a milestone in itself as completion of the first cycle of the 'Karmayogi' scheme reflects on conceptualisation of the idea to its successful execution. "The students were from different programmes across semesters in UG, PG, and PhD level. They did varied jobs in different departments and offices," Tandon said.

कर्मयोगी योजना के तहत कुलपति ने किया स्टूडेंट्स को सर्टिफिकेट वितरित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में कर्मयोगी योजना के तहत काम करके आय अर्जित करने वाले स्टूडेंट्स को शुक्रवार को विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सर्टिफिकेट व चेक वितरित किए। कार्यक्रम का आयोजन प्रशासनिक भवन के मंथन हाल में हुआ था। कर्मयोगी योजना के तहत एलयू स्टूडेंट्स को काम सीखने और काम करके 15-15 हजार रुपए कमाने का मौका देता है। एलयू ने हाल ही में कर्मयोगी योजना की शुरुआत की थी। इसके तहत चयनित स्टूडेंट्स को 50 दिन (रोजाना दो घंटे) चुने गए विभाग में काम करना होता है। इसके लिए उन्हें अधिकतम 15 हजार रुपए दिए जाते है। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो पूनम टंडन ने बताया कि 'कर्मयोगी योजना' स्टूडेंट्स को अपने कौशल को विकसित करने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर देती है। इससे उन्हें कार्यस्थल का अनुभव भी मिलता है। वही प्रो. आलोक कुमार राय ने योजना के पहले बैच के सभी 30 स्टूडेंट्स को को बधाई दी है। इस अवसर पर कुलसचिव डा विनोद कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, चीफ प्राक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव सहित अन्य एडिशनल डीन उपस्थित रहे।

AMRIT VICHAR PAGE 6

विद्यार्थियों ने किया टैगोर पुस्तकालय का भ्रमण

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय का शुक्रवार को कानपुर और लखनऊ के डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों ने भ्रमण किया। उन्होंने पुस्तकालय की सेवाओं और साइबर पुस्तकालय का बारीकी से अध्ययन किया। अवैतनिक पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. डीके सिंह 7 मार्च से पुस्तकालय का समय सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक कर दिया है। कानुपर के दयानन्द महिला प्रशिक्षण महाविद्यालय और श्री जयनारायण मिश्रा पीजी कालेज के बीएड व एमएड के लगभग 60 छात्र छात्राओं ने लविवि के टैगोर पुस्तकालय का शैक्षणिक भ्रमण किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में कर्मयोगी योजना के तहत काम करने वाले छात्रों को प्रमाणपत्र देते कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय। फोटो : अमृत विचार

लविवि ने दिया कर्मयोगी छात्रों को प्रमाण-पत्र

अमृत विचार, लखनऊ

कर्मयोगी योजना' के तहत छात्रों के पहले बैच को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शुक्रवार को प्रमाण पत्र वितरित किए। छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने वाली 'सीखने के दौरान आय अर्जन' की पहल के तहत 30 छात्रों को 15- 15 हजार की राशि के चेक भी दिए गये। यह योजना विश्वविद्यालय में एनईपी 2020 के लागू की गई है। छात्र अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन ने बताया कि विश्वविद्यालय में समानता और समावेश को बढ़ावा देने के इरादे से इस योजना का खाका तैयार किया है। उन्होंने कहा 'कर्मयोगी योजना' छात्रों को अपने कौशल को विकसित करने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर देती है। विश्वविद्यालय छात्रों को इस योजना के तहत आंशिक रूप से अपने खर्च के लिए अंशकालिक नौकरी द्वारा धनोपार्जन के लिए प्रोत्साहित करता है। इस योजना के लिए छात्रों का चयन उनके आवेदन के आधार पर यूजी, पीजी और पीएचडी के विभिन्न कार्यक्रमों से किया गया था।

TRUE TIMES PAGE 1

लखनऊ विश्वविद्यालय में कर्मयोगी छात्रों को प्रमाण पत्र वितरण

ट्रू टाइम्स संवाददाता

कर्मयोगी योजना' के तहत छात्रों के पहले बैच को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा प्रमाणपत्र वितरित किए गए। छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने वाली 'सीखने के दौरान आय अर्जन' की पहल के तहत 30 छात्रों को 15,000 रुपये प्राप्त हुए। यह योजना प्रो. राय द्वारा विश्वविद्यालय में एनईपी 2020 के खंड 14.4.2 को लागू करने के लिए एक अभियान है।

प्रो पूनम टंडन, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण ने विश्वविद्यालय में समानता और समावेश को बढ़ावा देने के इरादे से इस योजना का खाका तैयार किया है। प्रो टंडन ने बताया कि 'कर्मयोगी योजना' छात्रों को अपने कौशल को विकसित करने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर देती है। विश्वविद्यालय छात्रों को इस योजना के तहत आंशिक रूप से अपने खर्च हेतु अंशकालिक नौकरी द्वारा धनोपार्जन के लिए प्रोत्साहित करता है।

इस अवसर पर प्रो. राय ने कर्मयोगी योजना के प्रथम बैच के सफल क्रियान्वयन पर हर्ष व्यक्त किया । उन्होंने छात्रों को स्वयं अर्जित धन के स्वाद का आनंद लेने की सलाह दी जो उनके पंखों को उड़ने और सपनों को पूरा करने की शक्ति देता है। उन्होने कहा यह अपने आप में एक मील का पत्थर है क्योंकि कर्मयोगी योजना के पहले चक्र का पूरा होना इस छात्र केंद्रित इस नूतन अवधारणा के सफल क्रियान्वयन को दर्शाता है।

इस योजना के लिए छात्रों का चयन उनके आवेदन के आधार पर यूजी, पीजी और पीएचडी के विभिन्न कार्यक्रमों से किया गया था । छात्रों ने विश्वविद्यालय के मुख्य और नवीन परिसर के भीतर विभागों और कार्यालयों में विभिन्न कार्य किए। निर्वहन किए गए कार्यों मे कार्यालय, पुस्तकालय, कंप्यूटर, प्रयोगशाला से संबंधित कार्य शामिल थे। छात्रों ने 50 दिनों की अवधि के दौरान दो घंटे प्रतिदिन काम किया। इसने न केवल छात्रों को कार्यस्थल का अनुभव करने का अवसर प्रदान किया बल्कि उनके कौशल को विकसित करने का अवसर भी प्रदान किया। इस तरह की गतिविधियां विश्वविद्यालय में छात्रों की भागीदारी को सुनिश्चित करती हैं और साथ ही कार्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का निर्माण करती हैं जो रोजगारदायी संस्थाओं उम्मीदवारों द्वारा मांगी जाने वाली सबसे वांछित विशेषताओं में से एक है। छात्रों द्वारा प्राप्त कार्य अनुभव उनके आवेदन को सशक्त करता है और कार्य करने की क्षमता का निर्माण करता है।

पहली कमाई मिलने और कार्य जनित अनुभव पर छात्र-छात्राएं काफी उत्साहित दिखे और उन्होंने काफी खुशी जाहिर की। छात्रों के समग्र विकास के उद्देश्य से शुरू की गई इस नई छात्र-केंद्रित पहल पर छात्र छात्राएं काफी उत्साहित दिखे । इस अवसर पर ष्मुख्य कुलनुशासक प्रो राकेश द्विवेदी , कुलसचिव डा विनोद सिंह , परीक्षा नियंत्रक श्री विद्यानंद त्रिपाठी, निदेशक सूचना प्रकाशन एवं जनसम्पर्क केंद्र डा दुर्गेश श्रीवास्तव तथा पाँचों अतिरिक्त अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो विनीता कचर, प्रो अमृतंशु शुक्ला, प्रो संगीता साहू, प्रो राघवेंद्र प्रताप सिंह तथा डा अलका मिश्र उपस्थित रहे ।

HINDUSTAN TIMES PAGE 3

{ LU'S 'KARMYOGI SCHEME' }

1st batch of students receive certificates, ₹15k

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

LUCKNOW : The first batch of students of Lucknow University's 'Karmyogi Scheme' on Friday received a certificate of appreciation and ₹15,000 for their services rendered under the 'to earn while learn' initiative that provides financial support to the students during their studies.

"The first batch comprising 30 students were from different programmes across semesters in UG, PG, and Ph.D. level. They performed varied jobs in different departments and offices within the main and second campus of the university. The nature of work discharged represent tasks related to office, library, computer, laboratory and even gym trainer. The students worked for two hours during the period for 50 days," said prof Poonam Tandon, dean student welfare. The certificate of appreciation was given by LU vice chancellor prof Alok Kumar Rai who started the initiative during the pandemic period to implement clause 14.4.2 of NEP 2020 in the university.

> Completion of first cycle of Karmyogi Scheme reflects on conceptualization of idea to its successful execution.
>
> **PROF ALOK KUMAR RAI,** vice-chancellor, LU

On this occasion, Rai congratulated the students and advised them to enjoy the taste of self-earned money which gives power to their wings to fly and accomplish their dreams. "This is a milestone in itself as completion of first cycle of Karmyogi Scheme reflects on conceptualization of idea to its successful execution," he said.

He further said it not only provided students an opportunity to experience workplace but also develop and enhance their skills.

"Such activities increase students' involvement in the university as well as build a positive work attitude which is one of the most desired attributes considered by firms for hiring candidates. Hence, the experience gained by the student adds to his/her resume and builds up potential to work. It improves and increases their self-confidence and self-efficacy," he said.

The students also expressed their joy on receiving their first earning and said the scheme was a novel student-centric initiative outside classroom that was aimed at holistic development on the campus.

लोगों को अक्षय ऊर्जा के प्रति जागरूक करेगा लविवि

अमृत विचार, लखनऊ

तैयारी

लखनऊ विश्वविद्यालय जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर अक्षय ऊर्जा के प्रति लोगों को जागरूक करेगा। साथ ही इसके उपयोग से होने वाले लाभ के बारे में भी बताएगा। इस संबंध में लखनऊ विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश के गुना में स्थित जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय एवं जेपी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर जेएसपी राय ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इस समझौता ज्ञापन के महत्वपूर्ण उद्देश्यों में समाज के सभी वर्गों में अक्षय ऊर्जा के प्रति जागरूकता पैदा करना, उसके उपयोग से होने वाले लाभ की जानकारी देना, अक्षय ऊर्जा से चलने वाली उपकरणों का विकास करना, कौशल विकास कार्यक्रमों का संचालन, शोध, एवं अन्य समयोचित कार्य शामिल हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय का बड़ा कदम : किसानों को सौर उपकरणों में प्रशिक्षण

ट्रू टाइम्स संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय ने 4 मार्च 2022 को जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, गुना, मध्य प्रदेश के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय की ओर से एवं जेपी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर जे एस पी राय ने अपने विश्वविद्यालय की ओर से हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन के महत्वपूर्ण उद्देश्यों में समाज के सभी वर्गों में अक्षय ऊर्जा के प्रति जागरूकता पैदा करना, उसके उपयोग से होने वाले लाभ की जानकारी देना, अक्षय ऊर्जा से चलने वाली उपकरणों का विकास करना, कौशल विकास कार्यक्रमों का संचालन, शोध, एवं अन्य समयोचित कार्य शामिल हैं।

कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के नेतृत्व में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी के द्वारा किसानों की सौर ऊर्जा से संबंधित उपकरणों के संचालन एवं उनके रखरखाव के प्रशिक्षण का कार्य किया जाएगा। इसके प्रथम चरण में लखनऊ जिले के बुद्ध गांव को चिन्हित करने की प्रक्रिया इस माह के अंत तक पूरी हो जाएगी। अगले चरण में गांव के प्रगतिशील किसानों को सौर ऊर्जा से संचालित वाटर पंप और स्ट्रीट लाइट के संचालन एवं संरक्षण, सौर ऊर्जा के संचालित स्ट्रीट लाइट के संचालन एवं संरक्षण, सौर ऊर्जा द्वारा जल शोधन एवं अक्षय ऊर्जा से संबंधित अन्य उपकरण के संचालन एवं उनके रखरखाव का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इस अवसर पर जेपी यूनिवर्सिटी के डॉ धनंजय राधेश्याम मिश्र, प्रो पूनम टंडन, डीन, छात्र कल्याण लखनऊ विश्वविद्यालय, प्रो राकेश चंद्र, डीन एकेडमिक्स, लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ ज्योत्सना सिंह, निदेशक, इंस्टिट्यूट ऑफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी,डॉ विनोद सिंह, कुलसचिव,डॉ आरबी सिंह और डॉ अलका मिश्र उपस्थित थे।